महत्वपूर्ण एवं खास

ग्राम मजरकट्टा में पानी की तेज धार में फंसे दो ग्रामीण, मौके पर पहुंचे रेस्क्यु टीम

गरियाबंद (आरएनएस)। जिले में हो रही भारी बारिश ने लोगो के लिए मुसीबतें भी खड़ी कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय से सटे मजरकट्टा गांव के दो ग्रामीण पानी की तेज धार में फंस गए है। दोनो को बचाने के लिए जिला प्रशासन की टीम के साथ रेस्क्यू टीम पहुच गई है । जानकारी के अनुसार मजरकट्टा के धनुषराम निषाद और कामता निषाद गांव से लगे नाले से पानी मे बहकर आयी लकड़ी निकालने के लिए घुसे थे। अचानक नाले में पानी का बहाव तेज हो गया और दोनो नाले के बीच में ही फस गए।इस बात कि जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन रेस्क्यु टीम के साथ मौके पर पहुची और दोनो को बचाने का प्रयास किया जा रहा है ।

ज्वेलर्स दुकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में सोमवार की रात चोरों ने शुभम मंगलम ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड़कर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक माना थाना में पीड़ित सीमा सोनी ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई और शिकायत में प्रार्थियां ने बताया कि दुकान का सामान बिखरा पडा था, काउंटर व डब्बे में रखे सोने की अंगुठी पांच नग, सोने का कान का टाप्स सात जोड़ी, सोने की बाली आठ जोड़ी, सोने की नाक का बाली बीस नग, बच्चों का ओम लाकेट सोने की 6 नग, सोने के दाने करीब बीस ग्राम, सोने की दो पत्ती, चांदी के पायल बच्चों का 6 जोड़ी, पायल बड़ा दो जोड़ी, नकदी रकम 7,000 रुपये कुल कीमत करीब 2,07,000 रुपये का मशरूका नहीं था। इस मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जंगल में लकड़ी काटने के दौरान मधुमक्खियों के हमले से युवक की मौत

बलरामपुर (आरएनएस)। जंगल में लकड़ी काटने के दौरान मधुमक्खियों के हमले से एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक राजपुर थाना क्षेत्र में ग्राम कुटवा निवासी सिलमानुष लकड़ा (28)पुत्र राजाराम अपने मामा और अन्य ग्रामीणों के साथ उदलकछार के जंगल में लकड़ी काटने के लिए गया था। युवक लकड़ी काटने के लिए पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान मधुमक्खियों ने उस पर हमला किया। बचने की चक्कर में वह नीचे उतर रहा था, तभी बैलेंस बिगड़ने से गिर पड़ा। इसी दौरान सैकड़ों मधुमक्खियां उस पर टूट पड़ीं। वहां मौजूद परिजनों ने किसी तरह उसे बचाया और अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन इससे पहले ही उसने दम तोड़ दिया।

ग्रामीण के मकान पर गिरा पेड़ सो रहे एक बुजुर्ग की हुई मौत

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के ग्राम तुड़पारास के मडकमपारा में बीती रात एक बड़ा पेड़ ग्रामीण के मकान के उपर गिर जाने से घर में सो रहे एक बुजुर्ग गणेश की दबकर मौत हो गई है। अंचल में रूक रूककर हो रही बारिश अब ग्रामीण इलाकों में लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। बारिश से कल जहां चितालंका में ग्रामीण के घर की कच्ची दीवार गिरने से उसमें दबकर एक वृद्ध महिला की मौत हो गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात हुई बारिश के चलते कच्चे मिटटी के मकान के उपर पेड़ गिर जाने से तुड़पारास के मड़कमपारास निवासी गणेश पिता हिंगा उम्र 65 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घर में कुल तीन सदस्य सोए हुए थे, इस हादसे में परिवार के दो सदस्य बाल-बाल बच गए। पेड़ गिरने से कच्चा मिट्टी का मकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जान के साथ घरेलु सामान का भी नुकसान हुआ है।

आदिवासियों के हितों के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

» आदिवासी समाज की समस्याओं के निदान के लिए मंत्रिमंडलीय उप समिति और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सचिवों की कमेटी गठित करने की घोषणा

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य के आदिवासी समुदाय के हितों का संरक्षण और उन्हें उनका हक दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार के प्रयासों से बीते ढाई सालों में आदिवासियों के जीवन स्तर में बदलाव आया है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सुलभ हुए हैं। आदिवासी समाज की आर्थिक स्थिति और क्रय शक्ति बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2018 में दंतेवाड़ा जिले में ट्रेक्टर की बिक्री नहीं के बराबर थी। बीते ढाई सालों में आदिवासी किसानों ने खेती-बाड़ी के काम के लिए 400 से अधिक ट्रेक्टर की खरीदी की है। मोटर-सायकिल की बिक्री की संख्या ढाई सालों में दहाई के आंकड़े को पार कर 5 हजार तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय में सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधि मंडल को सम्बोधित कर रहे थे। सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष भरत सिंह के नेतृत्व में प्रदेश के सभी अंचल के प्रतिनिधि सामाजिक समस्याओं के संबंध में चर्चा के लिए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे थे। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा सहित राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, संसदीय सचिव शिशु पाल सोरी, इन्द्रशाह मंडावी, यू.डी. मिंज, चन्द्रदेव राय, विकास उपाध्याय, विधायक संत कुमार नेताम, बृहस्पत सिंह, लक्ष्मी ध्रुव सहित आदिवासी समाज के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिनिधि मंडल में शामिल सर्वआदिवासी समाज के पदाधिकारियों की एक-एक कर उनकी बाते सुनीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आदिवासी समाज की समस्याओं की सुनवाई और निदान के लिए मंत्रिमंडलीय उप समिति और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आदिवासी हितों से संबंधित सभी विभागों के सचिवों की कमेटी के गठन की घोषणा की। उन्होंने सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों विशेषकर सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासिक अधिकारियों से सचिव स्तर की कमेटी के समक्ष आदिवासी समाज के कल्याण एवं उनके संवैधानिक हित के संरक्षण के संबंध में सभी मामलों को रखने और उस पर विस्तार से चर्चा करने की बात कही। मुख्यमंत्री निवास में पहुंचे सभी सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब के साथ आज कई मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण काल के कारण कई मामलों में तेज गति से काम नहीं हो सका है, जो अपेक्षित था। लॉकडाउन के दौरान लोगों को सुरक्षित रखने और उन्हें सुविधाएं देने की चिंता रही। इस दौरान लघु वनोपज की खरीदी की भी चुनौती रही। छत्तीसगढ़ सरकार ने बेहतर प्रबंधन के जरिए हर चुनौतियों पर विजय पायी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों पर दर्ज मामलों के निराकरण के लिए गठित पटनायक समिति की अनुशंसा के अनुरूप सभी मामले निराकृत किए जा चुके हैं। शेष न्यायालयीन प्रकरण भी तेजी से निराकृत किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दक्षिण बस्तर अंचल से अन्य राज्यों में रोजी-रोजगार के उद्देश्य से गए परिवारों को उनके गांवों में जमीन का पट्टा दिलाने में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों से सक्रिय रूप से सहयोग का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार वन भूमि के निरस्त दावों का परीक्षण कर अब तक 50 हजार से अधिक वनवासियों को पट्टा दे चुकी है। सुकमा जिले में वर्षों से बंद स्कूलों को फिर से शुरू करा दिया गया है।

भारी बारिश के कारण गरियाबंद-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 बंद

» जिला प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते गरियाबंद जिला प्रशासन ने आगामी आदेश तक गरियाबंद-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 को आवागमन के लिए आगामी आदेश तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

ज्ञात हो कि मौसम विभाग ने गरियाबंद सहित प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। राजधानी रायपुर सहित गरियाबंद और धमतरी जिले में भी पिछले दो दिन से रूक-रूककर लगातार भारी बारिश हो रही है। जिसके कारण गरियाबंद जिले में कई इलाकों की सड़कें डूब गई है। चूंकि आज भी जिले में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसलिए लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर गरियाबंद-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 को फिलहाल आगामी आदेश तक आवागमन के लिए बंद करने का निर्णय जिला प्रशासन ने लिया है।

रायपुर से दिल्ली जा रहा एयर इंडिया की प्लेन से पक्षी टकराया, सभी यात्रियों को सुरक्षित प्लेन से उतार दूसरे विमान से भेजा गया

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मंगलवार सुबह 10 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। रायपुर से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट जैसे ही टेक-ऑफ हुई, उससे एक पक्षी टकरा गया। इसकी वजह से विमान का टेक ऑफ रोकना पड़ा। इसमें सवार केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह समेत 179 यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से दिल्ली रवाना किया गया।

विमान में मौजूद कुछ यात्रियों ने बताया कि पक्षी के टकराते ही झटके से आवाज अंदर महसूस की गई, कुछ को लगा कि प्लेन के लैंडिंग गेयर का टायर फट गया हो। इस बीच पायलट ने फौरन एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बर्ड हिट की जानकारी दी। प्लेन को वापस फील्ड एरिया की तरफ लाया गया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक एयर इंडिया के इंजीनियर्स ने प्लेन की जांच की। रनवे पर देखा गया तो वहां पक्षी के टुकड़े मिले जो प्लेन से टकरा गया था। एयर इंडिया के स्टाफ ने सभी यात्रियों को शांत कराया। सभी को सुरक्षित प्लेन से उतारा गया और दूसरे विमान से भेजने का बंदोबस्त किया गया।

रायपुर एयरपोर्ट पर जिस विमान से पक्षी टकराया था, उसमें केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह भी सवार थीं। वो केंद्रीय स्तर की एक बैठक में शामिल होने दिल्ली जा रही थीं। लगभग 30 मिनट के भीतर दूसरे एयरक्राफ्ट का बंदोबस्त हो पाया। पहले प्लेन से उतारे गए सभी यात्रियों को इसके बाद नई फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया। पक्षी जिस विमान से टकराया, उसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

गोलीबारी कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाला एक फरार लुटेरा गिरफ्तार

» लूट के आरोपी के कब्जे से 01 मोटर साइकिल एवं 83 ग्राम सोना बरामद

» अब तक लूट में शामिल 05 आरोपी गिरफ्तार, 01 फरार

जगदलपुर (आरएनएस)। शहर के वृंदावन कॉलोनी में सर्राफा व्यापारी के ऊपर गोलीबारी कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले 01 फरार लुटेरा मनी प्रधान निवासी ग्राम मुण्डपाल जिला जाजपुर उड़ीसा को पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही अब तक लूट में शामिल 05 आरोपियों को बस्तर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, वहीं 01 आरोपी फरार है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 01 मोटर साइकिल एवं लूट के 83 ग्राम सोना बरामद किया गया है। वहीं इससे पहले गिरफ्तार किए गए लूट के 04 आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 470 ग्राम सोना, 02 मोटरसाइकिल, 01 पिस्टल सहित 10 हजार रुपये नगद बरामद किया था।

एएसपी ओपी शर्मा ने बताया कि मोटर साइकिल से लूट की वारदात को अंजाम देकर आरोपी ओड़िसा की ओर भाग गए थे। जिन्हें पकड़ने के लिए बस्तर पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर उड़ीसा रवाना किया गया था। जहां से टीम ने पहले 04 आरोपी को गिरफ्तार किया था। और आज 01 अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है, वहीं फरार 01 आरोपी की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी मनी प्रधान ग्राम मुण्डपाल जिला जाजपुर उड़ीसा का निवासी हैं। जिसे कार्यवाही के उपरांत न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

उल्लेखनिय है कि 18 जुलाई की देर शाम को सोने-चांदी के व्यापारी संजय मार्केट से अपनी ज्वेलरी की दुकान बंद कर बैग लेकर अपने घर वृंदावन कॉलोनी लौट रहा था। इसी दौरान 03 मोटर साइकिल में पहुंचे लुटेरों ने बंदूक की नोक पर व्यापारी से पहले लूटपाट की जिसके बाद व्यापारी के ऊपर गोली से हमला भी कर दिया था।

5 जोड़ी ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा

रायपुर (आरएनएस)। यात्रियों को सुविधा देने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली 05 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा दी जा रही है, जिससे अधिकाधिक यात्री लाभान्वित हो सके। रेल मंडल कार्यालय रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार जिन ट्रेनों में यह सुविधा दी जा रही है उनमें क्रमशः गाड़ी संख्या 08215/ 08216 दुर्ग-ऊधमपुर-दुर्ग स्पेशल गाड़ी में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा दुर्ग से 29 सितम्बर एवं 06 अक्टूबर को तथा ऊधमपुर से 30 सितम्बर एवं 07 अक्टूबर को उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 08203/08204 दुर्ग-कानपुर-दुर्ग स्पेशल गाड़ी में एक अतिरिक्त एसी-2 कोच की सुविधा दुर्ग से 14 सितम्बर 2021 को तथा कानपुर से 15 सितम्बर को उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 08213/08214 दुर्ग-अजमेर-दुर्ग स्पेशल गाड़ी में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा दुर्ग से 03 अक्टूबर को तथा अजमेर से 04 अक्टूबर को उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 02647/ 02648 कोरबा-कोचुवेली- कोरबा स्पेशल गाड़ी में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा कोरबा से 15 व 18 सितम्बर को तथा कोचुवेली से 20 व 23 सितम्बर को उपलब्ध रहेगी।

कपड़ा सुखाते नानी को लगा करंट, बचाने गई नातिन भी आई चपेट में, मौत

महासमुंद (आरएनएस)। शहर के नया रावणभाठा में आज सुबह करंट से दो महिलाओं की मौत हो गई। घटना के समय परिजन अपने-अपने काम में व्यस्त थे। चीख-पुकार की आवाज सुनकर वे आंगन में पहुंचे जहां नानी और नातिन दोनों को एक साथ गिरे देख बचाने के लिए अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब साढ़े 8 बजे की है। वार्ड 30 निवासी उतियाबाई बाघ पति दुर्गा प्रसाद (47) और प्रियंका बाघ (रीता) सुबह काम में जाने के लिए नहा रही थी। नहाने के बाद उतिया बाई गीले कपड़े को आंगन में सुखाने तार पर डाल रही थी कि अचानक करंट लगा जिससे वह चिपक गई। चीख सुनकर प्रियंका दौड़ते पहुंची और उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन वे करंट की वजह से स्वयं चिपक गई। इघर, चीख पुकार के बाद घर की रसोई में नास्ता बनी रही बहू मंजूलता नेताम शांतनु, दीपांजलि, दिव्यांशी और आर्यन नेताम के साथ आंगन में पहुंची और घर के बाहर खड़े पति चिंतामणी को आवाज लगाई। उनकी चीख सुनकर मोहल्ले के समीप ठेले पर बैठे उतिया बाई के पति दुर्गा दौड़ते हुए पहुंचे और तार को लकड़ी से मारकर तोड़ दिया। घटना की जानकारी मोहल्ले में फैल गई और लोग बड़ी संख्या में घर के बाहर इकठ्ठे हो गए। हालांकि उनके पहुंचने से पहले दोनों की मौत चुकी थी। परिजन तुरंत उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी उन्होने पुलिस को दी। परिजनों ने बताया कि घर में मीटर के सर्विस वायर से लगकर कपड़ा सुखाने का तार लगा हुआ है। सर्विस वायर कहीं से कटा होगा जिससे करंट प्रवाहित हुआ होगा।

घूमने आई थी प्रियंका- जानकारी के मुताबिक प्रियंका ओड़िशा नुआपाड़ा के ग्राम सीमापाली की निवासी है जो नुआखाई में अपनी नानी के यहां आई थी। खाली होने की वजह से वे अपनी नानी के साथ सुबह साबुन पैकिंग के लिए जाती थी। जांच के बाद ही पता चलेगा हादसे की वजह। मामले में कोतवाली प्रभारी शेरड्क्षसह बंदे का कहना है कि दोनों की मौत करंट से हुई है। लेकिन घटना कैसे किन हालातों में हुई है यह तो मामले में जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी शुक्ल एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जन जातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

विश्व के सबसे बड़े वयस्क टीकाकरण कार्यक्रम ने भारत को आत्म-निर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार किया- मनसुख मांडविया

» केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री

रायपुर (आरएनएस)। विदेशी शासन से स्वतंत्र होने के पचहत्तर साल बाद, हम एक अलग तरह की आजादी की तलाश कर रहे हैं; इस बार देश, एक अदृश्य आक्रमणकारी सार्स-सीओवी-2, जो पिछले 20 महीनों से देश को तबाह कर रहा है, से मुक्त होना चाहता है। इस घातक वायरस के बारे में हम जो जानते हैं, इसके आधार पर दो रणनीतियां अपनाकर हम इसे नियंत्रित कर सकते हैं - प्रशासनिक स्तर पर जांच-निगरानी-उपचार (टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट) और टीकाकरण रणनीति का पालन करना तथा सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कोविड-उपयुक्त व्यवहार के पालन को प्रोत्साहित करना।

लेकिन इसे पूरी तरह खत्म करने के लिए हमें इसके खिलाफ एक स्थायी प्रतिरक्षा की जरूरत थी। भारतीय वैज्ञानिकों और एजेंसियों ने रिकॉर्ड अवधि के भीतर कोविड -19 टीके को विकसित करने के लिए भौतिक और तकनीकी सीमाओं से आगे जाकर काम किया और 16 जनवरी 2021 को, हमारे प्रधानमंत्री ने भारत में निर्मित दो कोविड -19 टीकों को पेश करके दुनिया का सबसे बड़ा वयस्क टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया। कोविड -19 टीकों की वैश्विक शुरुआत के कुछ ही सप्ताह के भीतर भारत निर्मित टीकों की शुरुआत को भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य इतिहास में एक उत्साहपूर्ण अवधि की शुरुआत के रूप में देखा जा सकता है। शायद, यह कोविड संकट के बहुत कम सकारात्मक पक्षों में से एक है। हमें मिशन मोड में, स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना के निर्माण का दुर्लभ अवसर मिला, जो वर्तमान के गंभीर संकट की तरह भविष्य के हमलों के खिलाफमुकाबले के लिए हमें मजबूत बनाने के अलावा और भी कई अन्य कार्य करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, देश मार्च 2020, जब पहले कुछ कोविड मामलों का पता चला था, से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर अपने संसाधनों का निवेश कर रहा है। इसके साथ ही, वैक्सीन अनुसंधान और विकास के लिए उद्यमी अनुकूल परिवेश तथा नई निदान तकनीकों के विकास के साथ-साथ उपचार के नए तौर-तरीके भी स्थापित किए गए।